कोटबारी, रूई धुनना

<u>डोम (बसोर) उपजातियां–</u> 1. डोम, 2 डोमडा, 3 डोमार, 4 डामना, 5 उदईया, 6. मन्दिनी, 7. मीरगान, मोहरा, 9ओमनिया, 10 मंगहिया, 11. बंशफोर, 12. लिहा, 13. धरकार, 14धामर, 15. जल्लाद, 16. बाघ, 17. नाग, 18मत्स्य 19 कश्यप

<u>व्यवसाय</u> – सफाई कार्य, शूकरपालन, शव जलाना, बाजा बजाना

<u>उत्पत्ति</u>– राजा बेणु

अखिल भारतीय बसोर समाज विकास समिति संपूर्ण भारत में निवास करने वाली बसोर जाति एवं ऊपर उल्लेखित उपजातियों के संरक्षण के लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकारों से निम्नलिखित मांग प्रस्तावित कर करती है :–

1– बसोर जाति एवं ऊपर उल्लेखित उसकी उपजातियां आपनी उत्पत्ति राजा बेणु बसोर से मानती है जिन्होने 13 वी शताब्दी मे मध्यप्रदेश के दमाहे जिले सिगौर गढ नामक जिले का निर्माण कराया उस किले को राजा बेणु बसोर के नाम राष्ट्रीय स्मारक घोषित कर राष्ट्रीय पुरातत्व विभाग के माध्यम से जीर्णोद्धार (निर्माण) कराया जाए।

2– बसोर जाति एवं ऊपर उल्लेखित उसकी उपजातियां को संपूर्ण भारत के समस्त राज्यों में अनुसूचित जाति की सूची में घोषित किया जाए। (क्योकि बसोर समाज एवं उसकी उपजातियां आपनी उत्पत्ति राजा बेणु से मानती है इसलिए उनको अनुजाति की सूची कमांक 1 पर ही घोषित किया जाए। अलग–अलग कमांकों पर नही ।

3– बसोर जाति एवं ऊपर उल्लेखित उसकी उपजातियां के विकास एवं शेक्षणिक, आर्थिक, रोजगार, की स्थिति का संरक्षण करने के लिए अनुसूचित जाति की अति पिछड़ी जाति घोषित घोषित किया जाए एवं राष्ट्रीय बसोर समाज आयोग या बांस हस्तकलां एवं वित्त विकास निगम गठन किया जाए।

4– बसोर जाति एवं ऊपर उल्लेखित उसकी उपजातियां के गुरू अन्न त्यागी महर्षि गुरू गोकुलदास जी महाराज के जन्मोत्सव समारोह के लिए 6 जनवरी को